10. मछली

पाठ का सारांश

- दौड़ते हुए हम लोग एक पतली गली में घुस गए। इस गली से घर नजदीक पड़ता था। दूसरे रास्तों में बहुत भीड़ थी। बाजार का दिन था। लेकिन बूंदें पड़ने से भीड़ के बिखराव में तेजी आ . गई थी। दौड़ इसलिए रहे थे कि डर लगता था कि मछलियाँ बिना पानी के झोले में ही न मर जाएँ। झोले में तीन मछलियाँ थीं। एक तो उसी वक्त मर गई थी जब पिताजी खरीद रहे थे। वो जिन्दा थीं। झोले में उनकी तड़प के झटके मैं जब तब महसूस करता था। मन ही मन सोच रहा था कि एक मछली पिताजी से जरूर माँग लेंगे। फिर उसे कुँए में डालकर बहुत बड़ी करेंगे। जब मन होगा बाल्टी में निकालकर खेलेंगे। बाद में फिर कुँए में डाल देंगे।
- अब जोर से पानी गिरने लगा था। बरसते पानी में खड़े होकर झोले का मुँह आकाश की तरफ फैलोकर मैंने खोल दिया ताकि आकाश का पानी झोले के अन्दर पड़ी मछलियों पर पड़े। पानी के छींटे पाकर, कहीं आसपास किसी तालाब या नदी का अंदाजकर जोर से मछली उछली। झोला मेरे हाथ से छूटते-छूटते बचा।

- नहानघर के बाल्टी में मैंने झोले की तीनों मछलियाँ उड़ेल दीं। अगर बाल्टी भरी होती तो मछली उछलकर नीचे आ जाती। एक बार एक छोटी सी मछली मेरे हाथ से फिसलकर नहानघर की नाली में घुस गई थी। हाथों से मैंने और सन्तू ने हटोल टंटोलकर ढूँढा था। जब दिखी नहीं तो हम घर के पीछे जाकर खड़े हो गए थे जहाँ घर की नाली एक बड़ी नाली से मिलती थी। गंदे पानी में मछली दिखी नहीं।
- संतू मछलियों की तरफ प्यार से देखता था। वह मछलियों को छूकर देखना चाहता था। लेकिन डरता भी था। बाल्टी के थोड़ा और पास खिसककर एक मछली को पकड़ते हुए मैंने कहा, "संतू! तू भी छूकर देख ना""नहीं, काटेगी" संतू ने इनकार करते हुए कहा। नीचे दबी हुई मछली
  को आँखों में मैं अपनी छाया देखना चाहता था। दीदी कहती थी जो मछली मर जाती है उसकी आँखों में झाँकने से अपनी परछाईं नहीं दिखती।
  "माँ कहाँ है ? उस तरफ मसाला पीस रही है।" मेरा दिल बैठ गया। "च: चः मछली के मसाला होगा" "आज ही बनेगी" दुःख से मैंने कहा।
- "भइया! मछली अभी कट जायेगी।" भोलेपन से संतू ने पूछा। "हाँ" फिर संतू भी उदास हो गया। माँ को घर में मछली, गोश्त

खाया करें लेकिन माँ ने सख्ती से मना कर दिया था। और किसी को अच्छा भी नहीं लगता था केवल पिताजी खाते थे।

- भग्गू को जैसे मालूम था कि मछलियाँ नहानघर में हैं। आते ही वह अंगोछे में तीनों मछलियाँ निकाल लाया। कुँए में मछली पालने का उत्साह बुझ-सा गया था। कमरे में जाकर देखा तो सच में दीदी करवट लिए लेटी थी। संतू को मैंने इशारे से बुलाया कि वह भी गीले कपड़े बदल ले। शायद कुछ आहट हुई होगी। दीदी ने पलटकर हमें देखा। गीले कपड़ों में देखकर दीदी बहुत नाराज हुई। फिर प्यार से समझाया। संतू को दीदी ने खुद अपने हाथों से जाने क्यों बहुत अच्छे-अच्छे कपड़े पहनाए। मैं घर के धोए कपड़े पहिन रहा था तो दीदी ने कहा कि धोबी के धुले कपड़े पहिन लूँ। फिर दीदी ने पेटी से मेरे लिए कपड़े निकाल दिए। संतू के बड़े-बड़े बाल थे इसलिए अभी तक गीले थे। दीदी ने संतू के बालों को टावेल से पोंछकर, उनमें तेल लगाया। वायें हाथ से संतू की ठुड्डी पकड़कर दीदी ने उसके बाल सँवार दिए। जब दीदी संतू के बाल सँवार रही थी तो संतू अपनी बड़ी-बड़ी आँखों से दीदी को टकटकी बाँधे देख रहा था। सभी कहते थे कि दीदी बहुत सुन्दर है।
- भग्गू मछली काट रहा था संतू एक मछली अंगोछे से उठाकर बाहर की तरफ सरपट भागा। भग्गू भी मछली काटना छोड़कर "अरे! अरे! अरे!" कहता हुआ उसके पीछे-पीछे भागा। मैं वहीं

खड़ा रहा, पाटे में राख से पिटी हुई सिर कटी हुई मछली पड़ी थी। बाड़े की तरफ आकर मैंने देखा कि कुंए के पास जमीन पर संतू जानबूझकर पट पड़ा था। दोनों हाथों से मछली को अपने पेट के पास छुपाए हुए था। भग्गू मछली छीनने की कोशिश कर रहा था। शायद उसे डर था कि संतू मछली कुँए में डाल देगा तो पिताजी से उसे डाँट पड़ेगी। मैंने सुना कि अंदर की तरफ पिताजी के जोर-जोर से चिल्लाने की आवाज आ रही थी। संतू सहमा-सहमा चुपचाप खड़ा था। कीचड़ से उसके साफ अच्छे कपड़े बिल्कुल खराब हो गए थे। बाल जिसे दीदी ने प्यार से सँवारा था उसमें भी मिट्टी लगी थी।

10. मछली

लेखक परिचय

लेखक → विनोद कुमार शुक्ल

जन्म → 1 जनवरी 1937 (राजनाद गाँव छत्तीसगढ़)

पेशा → प्रधानाध्यापक

→ इंद्रा गाँधी कृषि विद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप मे रहे |

→ 1944 - 46 तक निराला श्रीजनपीठ में अतिथि साहित्यकार भी रहे।

→ इनका पहला कविता संग्रह 'लगभग जयहिन्द' पहचान सीरीज के अंतर्गत 1971 में प्रकाशित हुआ।

* इसकी कविता संग्रह :- वह आदमी गर्म कोर्ट पहनकर चला गया विचार की तरह सबकुछ होना बचा रहेगा, अतिरिक्त नही

उपन्यास → नौकर की कमीज़ खिलेंगे तो देखेंगे दीवार में एक खिड़की रहती थी|

दो कहानी → पेड़ पर कमरा, महाविद्यालय (मछली)

→ नौकर की कमीज उपन्यास पर कर के मणीकौल ने फिल्म बना दिया।

→ पुरस्कार - रखुवीर सहाय स्मृति पुरस्कार 1992 में दयापत्ति कवि शेखर सम्मान मिला साहित्य अकादमी पुस्कार 1990 में

→ बीसवीं सदी के 7वाँ-8वाँ दशक के थे

→ बचपन की स्मृति, मध्यवर्गी परिवार

10. मछली

Short answer questions

1. (i) झोले में मछलियाँ लेकर बच्चे दौड़ते हुए पतली गली में क्यों घुस गए?

उत्तर - झोले में मछलियाँ लेकर बच्चे दौड़ते हुए पतली गली में इसलिए घुस - गए, क्योंकि उस गली से घर नजदीक पड़ता था। बाजार का दिन होने के कारण रास्तों में भीड़ बहुत ज्यादा थी। उन रास्तों से जाने में उन्हें घर पहुँचने में ज्यादा समय लग जाता और झोले की मछलियाँ मर जातीं।

(ii) मछलियों को लेकर लेखक की अभिलाषा क्या थी ?

उत्तर - मछलियों को लेकर लेखक (कहानी का बालक पात्र) की अभिलाषा थी कि वह पिताजी से उनमें से एक मछली माँग लेगा और उसे कुएँ में डालकर बड़ा करेगा।

जब मन होगा, उस मछली को वह बाल्टी से निकाल लेगा और उसके साथ सभी बच्चे मिलकर खेलेंगे। मन बहल जाने के बाद वह उसे फिर कुएँ में डाल देगा।

(iii) बच्चे दौड़ क्यों रहे थे ?

उत्तर - बच्चे दौड़ इसलिए रहे थे कि उन्हें डर लगता था कि पानी के अभाव में मछलियाँ झोले में ही न मर जाएँ।

(iv) संतू मछली लेकर क्यों भागा ?

उत्तर - भग्गू मछली काट रहा था। मछली काटने का उसका ढंग अत्यंत निर्ममतापूर्ण था। (संतू उस ढंग से मर्माहत हो उठा।) कुएँ में डालकर मछली को बड़ा करने के स्वप्न को पूरा करने के लिए संतू मछली को लेकर भागा।

2. (i) मुर्दा-सी पड़ी मछली के साथ लेखक ने क्या किया ?

उत्तर - लेखक ने मुर्दा-सी पड़ी मछली को बालटी से बाहर निकाला। उसे धीरे - से नहानघर के फर्श पर रखा। उसकी पूँछ पकड़कर दो-तीन बार हिलाया। मछली में कोई हरकत नहीं हुई। उसने संतू को मछली की आँखों में झाँककर देखने को कहा कि उसकी आँखों में (मछली की आँखों में) संतू की परछाईं दिखाई पड़ती है कि नहीं। लेखक ने भी मछली की आँखों में झाँककर यह पता लगाने की कोशिश की कि वह मछली मर गई है या अभी जिंदा है।

(ii) दीदी क्या कहती है ?

उत्तर - दीदी (लेखक की दीदी) कहती है कि मरी हुई मछली की आँखों में आदमी की परछाईं नहीं दिखाई पड़ती।

(iii) संतू कुछ बोलता क्यों नहीं था?

उत्तर - लेखक के कहने पर संतू मछली के कुछ नजदीक आकर उसकी आँख में उत्सुकतापूर्वक झाँकने लगा। वह मछली की आँख में अपनी परछाईं ढूँढ़ रहा था, पर शायद उसे अपनी परछाईं नहीं दिखाई पड़ रही थी । अतः, वह चुपचाप था, कुछ बोलता ही नहीं था ।

(iv) लेखक ने मछली की आँखों में क्या देखा ?

उत्तर - लेखक ने दोनों हाथों से मछली को उठाया। उसने मछली को अपने चेहरे के बिलकुल पास किया और उसकी आँख में झाँककर देखा। उसकी आँख में धुँधली- धुँधली परछाईं दिखाई पड़ी। लेखक समझ नहीं सका कि वह परछाईं उसकी (लेखक की) थी या मछली की आँखों का रंग ही कुछ वैसा हो गया था।

3. (i) लेखक का कुएँ में मछली पालने का उत्साह क्यों बुझ-सा गया था ?

उत्तर - लेखक की अभिलाषा थी कि दो जीवित मछलियों में से एक को कुएँ में डाल दे ताकि वह बड़ी हो सके और उसकी (लेखक की) जब इच्छा हो, उसे , (मछली को) कुएँ से निकालकर उसके साथ खेल सके। पर, जब उसने देखा कि भग्गू नहानघर से मछलियों को काटने के लिए निकाल लाया है, तब उसका (लेखक का) कुएँ में मछली पालने का उत्साह बुझ-सा गया।

(ii) दीदी लेखक और संतू पर नाराज क्यों हुई ? अपनी कल्पना से बताएँ कि दीदी ने प्यार से लेखक और संतू को क्या समझाया होगा।

उत्तर - जब दीदी ने देखा कि लेखक और संतू वर्षा में भींग गए हैं और उन्होंने कपड़े नहीं बदले हैं तब वह उन दोनों पर नाराज हो गई। दीदी ने लेखक और संतू को प्यार से समझाया होगा कि भींगे कपड़े नहीं पहनने चाहिए। भींगे कपड़े पहनने से तबीयत खराब हो जाती है।

(iii) दीदी के संबंध में सबकी धारणा कैसी थी ?

उत्तर - दीदी के संबंध में सबकी धारणा थी कि वह बहुत सुंदर है।

(iv) संतू दीदी को टकटकी बाँधे क्यों देख रहा था ?

उत्तर - दीदी संतू के बाल कंघी से सँवार रही थी और संतू अपनी बड़ी-बड़ी आँखों से दीदी की सुंदरता देखकर विस्मित-चकित था। वह टकटकी बाँधे अपनी प्यारी बहन (दीदी) की शोभा निरख रहा था। अपनी बहन की शोभा वह निष्पलक नयनों से देख रहा था। दीदी की शोभा निरखकर संत की टकटकी बँध गई थी।

4. (i) दीदी कहाँ थी और क्या कर रही थी ?

उत्तर - दीदी अपने कमरे में थी और अपनी पहनी हुई साड़ी को सिर तक ओढ़े करवट लिए सिसक-सिसककर रो रही थी। रोने के साथ वह बीच-बीच में हिचकी ले रही थी। शायद, परिवार में कुछ ऐसी घटना घटी थी जिसने उसे मर्माहत कर दिया था।

(ii) लेखक को मछली का लहरना क्यों याद आ गया ?

उत्तर - भग्गू नहानघर से तीनों मछलियों को काटने के लिए निकाल लाया। उनमें से एक मछली को कुएँ में डालने के लिए संतू लेकर भाग खड़ा हुआ। एक मछली भग्गू काट चुका था और एक मछली गमछे में पड़ी थी। लेखक ने देखा कि अंगोछे में लिपटी मछली कभी-कभी लहरा उठती है। वह शायद जीवन और मौत से संघर्ष कर रही थी। लेखक ने जब अपनी बहन को सिसकियों के बीच हिचकी लेते हुए देखा तब उसे उसी मछली की, अंगोछे में लिपटी-सी मछली की, याद हो आई। शायद, दीदी भी मछली के समान ही जीवन और मौत से संघर्ष कर रही थी; कोई वेदना थी जिसे वह व्यक्त नहीं कर पा रही थी और घुट-घुट कर मर रही थी।

(iii) वाड़े की तरफ आकर लेखक ने क्या देखा ?

उत्तर - बाड़े की तरफ आकर लेखक ने देखा कि संतू कुएँ के पास जमीन पर पट पड़ा था। उसने अपने दोनों हाथों से मछली को छिपा रखा था और भग्गू उसे छीनने की कोशिश कर रहा था।

(iv) भग्गू को क्या डर था ?

उत्तर - भग्गू को डर था कि यदि संतू ने मछली को कुएँ में डाल दिया तो उसे पिताजी से डाँट पड़ेगी।

1. (i) मछलियाँ लिए घर आने के बाद बच्चों ने क्या किया?

उत्तर - मछलियाँ लिए घर आने के बाद बच्चे नहानघर में घुस गए और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। भरी हुई बालटी का आधा पानी गिराकर उन्होंने उसमें झोले की तीनों मछलियाँ उड़ेल दीं। लेखक (कथावाचक) और संतू दोनों वर्षा में बुरी तरह भींग गए थे। माँ के डर से उन्होंने अपनी-अपनी कमीज उतारी और उन्हें निचोड़ा तथा पैंट को मुट्ठियों से दबाकर निचोड़ा । निचोड़ी गई कमीज को अपनी- अपनी गोद में दबाए वे बाल्टी को घेरकर बैठ गए।

(ii) मछली को छूते हुए संतू क्यों हिचक रहा था ?

उत्तर - संतू मछलियों को बड़े प्यार से देख रहा था। वह मछलियों को छूकर देखना चाहता था, पर उसे डर लगता था। वह मछली को छूते हुए हिचक रहा था कि कहीं मछली उसे काट न ले। अपने बड़े भाई (कथा वाचक / लेखक) के बहुत समझाने- बुझाने पर उसने एक बार हिम्मत बटोरी और सबसे ऊपर वाली मछली को उँगली से छुआ, पर डरकर अपना हाथ खींच लिया। उसकी हिचक

अभी दूर नहीं हुई थी। अब भी उसके भीतर डर था, जिसके चलते वह मछली को छू नहीं पा रहा था।

2. मछली के बारे में दीदी ने क्या जानकारी दी थी? संतू क्यों उदास हो गया?

उत्तर - मछली के बारे में दीदी ने जानकारी दी थी कि मरी हुई मछली की आँखों में झाँकने से अपनी परछाई नहीं दिखाई पड़ती।

मछली अभी कट जाएगी, यह जानकर संतू उदास हो गया। वह नहीं चाहता था कि मछली कटे। वह मछली के साथ खेलना चाहता था। मछली के संबंध में उसने तरह-तरह की सुखद कल्पनाएँ की थीं। पर, अब तो मछली कट जाएगी! उसके भीतर एक करुणापूर्ण उदासी घिर आती है।

3. (i) पिताजी किससे नाराज थे, और क्यों ?

उत्तर - पिताजी दीदी और नरेन पर नाराज थे। वे नहीं चाहते थे कि नरेन घर में आए और उससे दीदी का मेल-जोल बढ़े। उन्होंने इसके लिए दीदी को मारा था और नरेन पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए भग्गू से कहा था- "भग्गू! अगर नरेन घर में घुसे तो साले के हाथ-पैर तोड़ बाहर फेंक देना। बाद में जो होगा, मैं भुगत लूँगा।"

(ii) अरे-अरे कहता हुआ भग्गू किसके पीछे भागा, और क्यों ?

उत्तर - संतू कुएँ में मछली को डालकर उसे बड़ा करना चाहता था। वह मछली को अपना मित्र बनाना चाहता था। संतू ने गमछे से एक मछली उठाई और उसे लेकर सरपट भाग निकला। 'अरे-अरे' कहता हुआ भग्गू उसके पीछे-पीछे भागा, भग्गू को डर था कि यदि संतू मछली को कुएँ में डाल देगा, तो पिताजी से उसको डॉट पड़ेगी। अतः, संतू को पकड़कर उससे मछली छीन लेने के लिए वह उसके पीछे- पीछे भागा।

(iii) मछली और दीदी में क्या समानता है? स्पष्ट करें।

उत्तर - जिस तरह मछली बेजुबान होती है, अपनी पीड़ा व्यक्त नहीं कर पाती, उसी तरह दीदी भी बेजुबान है। वह अपनी अंतर्व्यथा प्रकंट नहीं कर पाती।

(iv) मछली के प्रति बच्चों में कौन-सी जिज्ञासा थी ?

उत्तर - मछली के प्रति बच्चों में यही जिज्ञासा थी कि जो मछली मर जाती है, उसकी आँखों में झाँकने से अपनी परछाईं दिखती है कि नहीं।

10. मछली

1. मछली किसकी कहानी है ?

(A) रामविलास शर्मा

(B) अशोक वाजपेयी

(C) विनोद कुमार शुक्ल

(D) यतीन्द्र मिश्र

Ans – C

2. विनोद कुमार शुक्ल का जन्म कब हुआ था ?

(A) 18 फरवरी 1916

(B) 10 अक्टूबर 1912

(C) 4 फरवरी 1938

(D) 1 जनवरी 1937

Ans – D

3. विनोद कुमार शुक्ल को साहित्य अकादमी पुरस्कार किस वर्ष मिला ?

(A) 1990

(B) 1992

(C) 1997

(D) 2000

Ans – A

4. लेखक को मछली खाने से किसने मना किया ?

(A) पिता ने

(B) माँ ने

(C) भाई ने

(D) बहन ने

Ans – A

5. लेखक के घर में मछली कौन खाता था ?

(A) लेखक

(B) पिता

(C) माँ

(D) बहन

Ans – B

6. लेखक अपने पिता से क्या माँगना चाहता था ?

(A) खिलौने

(B) किताब

(C) पैसे

(D) मछली

Ans – D

7. लेखक के पिता ने कितनी मछलियाँ खरीदी ?

(A) एक

(B) दो

(C) तीन

(D) चार

Ans – D

8. विनोद कुमार शुक्ल किस कृषि विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर थे ?

(A) संजय गांधी कृषि विश्वविद्यालय

(B) पूसा कृषि विश्वविद्यालय

(C) इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय

(D) राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय

Ans – C

9. 'मछली' कहानी किस संकलन से ली गयी है ?

(A) पेड़ पर कमरा

(B) नौकर की कमीज

(C) महाविद्यालय

(D) विश्वविद्यालय

Ans – C

10. 'मछली' कहानी में किस वर्ग का जीवन वर्णित है ?

(A) निम्न वर्ग का

(B) उच्च वर्ग का

(C) मध्यम वर्ग का

(D) कृषक वर्ग का

Ans – C

11. खरीदे गये मछली में कितनी मछली जिंदा थी ?

(A) एक

(B) दो

(C) तीन

(D) चार

Ans – B

12. अरे - अरे कहता हुआ भग्गु किसके पीछे भागा था ?

(A) संतु

(B) नरेन

(C) दीदी

(D) पिताजी

Ans – A

13. पिताजी किससे नाराज थे ?

(A) संतु

(B) भग्गु

(C) दीदी

(D) नरेन

Ans – D

14. कहानी संग्रह 'महाविद्यालय' से पाठ्य पुस्तक में ली गई कहानी कौन - सी है ?

(A) आविन्यों

(B) बहादुर

(C) नागरीलिपि

(D) मछली

Ans – D

15. संतू किस कहानी का पात्र है ?

(A) नागरीलिपि

(B) मछली

(C) आविन्यों

(D) बहादुर

Ans – B

16. मछली कौन काटता है ?

(A) लेखक

(B) संतु

(C) भग्गू

(D) पिताजी

Ans – C

17. कौन सी कहानी एक छोटे शहर के निम्न मध्यवर्गीय परिवार के भीतर के वातावरण, जीवन यथार्थ और संबंधों को आलोकित करती हुई लिंग भेद की समस्या को भी स्पर्श करती है

(A) मछली

(B) श्रम विभाजन और जाति प्रथा

(C) भारत से हम क्या सीखें

(D) आविन्यों

Ans – A

18. बच्चे कितने मछली को कुएँ में डालकर बहुत बड़ी करना चाहते थे ?

(A) एक

(B) दो

(C) तीन

(D) चार

Ans – A

19. परिवार के किस सदस्य में मछली जैसी समानता दिखाई पड़ी ?

(A) संतु

(B) भग्गू

(C) लेखक

(D) दीदी

Ans – D

20. दीदी से मैंने कहा — "दीदी आज मछली आयी है। तीन है। एक शायद मर गयी है। उन्हें अभी भग्गू काटेगा। इन गद्यांश के लेखक कौन हैं ?

(A) नलिन विलोचन शर्मा

(B) अमरकांत

(C) विनोद कुमार शुक्ल

(D) अशोक वाजपेयी

Ans – C

21. 'महाविद्यालय' नामक कहानी संग्रह किनकी रचना है ?

(A) महात्मा गांधी

(B) अमरकांत

(C) विनोद कुमार शुक्ल

(D) मैक्समूलर

Ans – C

22. मछली लेकर कौन भाग गया था ?

(A) भग्गू

(B) संतू

(C) बंतू

(D) जग्गू

Ans – B

23. 'मछली' शीर्षक कहानी में दीदी के प्रेमी का क्या नाम था ?

(A) संतु

(B) महेन्द्र

(C) भग्गू

(D) नरेन

Ans – A

24. मछली के लिए मसाला कौन पीस रही थी ?

(A) दादी

(B) नानी

(C) दीदी

(D) माँ

Ans – D

25. विनोद कुमार शुक्ल किस कृषि विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर थे ?

(A) संजय गांधी

(B) राजीव गांधी

(C) इंदिरा गांधी

(D) फिरोज गांधी

Ans – C

26. लेखक अपने पिता से मछली क्यों माँगना चाहता था ?

(A) खाने के लिए

(B) खेलने के लिए लिए

(C) कुएँ में पालने के

(D) फेकने के लिए

Ans – C

27. 'मोहरा' नदी शहर से दूर थी -

(A) एक मील

(B) दो मील

(C) तीन मील

(D) चार मील

Ans – C

28. ..... ठंढ से काँप रहा था ?

(A) संतु

(B) भग्गु

(C) नरेन

(D) बहादुर

Ans – A

29. मछली साहित्य की कौन - सी विधा है ?

(A) निबंध

(B) साक्षात्कार

(C) व्यक्तिचित्र

(D) कहानी

Ans – D

30. 'मछली' किस प्रकार की कहानी है ?

(A) मनोवैज्ञानिक

(B) सामाजिक

(C) ऐतिहासिक

(D) सांस्कृतिक

Ans – A

31. संतू मछली लेकर क्यों भागा ?

(A) कुएँ में डालने के लिए

(B) बेचने के लिए

(C) पकाने के लिए

(D) काटने के लिए

Ans – A